University in News on 01 August 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की व्यवस्था

सहयुक्त कॉलेजों संग अन्य विवि के विद्यार्थी भी ले सकेंगे लविवि में प्रवेश

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और सहयुक्त कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए संस्थान का दायरा नहीं रहेगा। विद्यार्थी कोर्स के बीच में ही अपना संस्थान बदल सकेंगे। लविवि में लागू एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) के माध्यम से ऐसा संभव हो सकेगा। विवि में बुधवार को हुई विद्या परिषद की बैठक में क्रेडिट बैंक के साथ ही कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

विद्या परिषद की बैठक में कई प्रस्तावों पर लगी मुहर

लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत विद्यार्थियों के लिए लेटरल एंट्री की सुविधा शुरू की है। इसमें छात्र-छात्राओं को तीसरे, पांचवें व सातवें सेमेस्टर में प्रवेश दिया जाएगा। संबद्ध जिलों के सहयुक्त कॉलेजों के विद्यार्थियों के पास लविवि में प्रवेश का मौका होगा। वहीं अन्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के विद्यार्थियों को ए प्लस या इससे ऊपर का ग्रेड मिलने पर ही लखनऊ विवि में प्रवेश मिलेगा। इसके साथ ही जिस भी शिक्षण संस्थान का विद्यार्थी लेटरल एंट्री के लिए आवेदन करेगा, वह संस्थान एनईपी में पंजीकृत होना चाहिए। साथ ही छात्रों के सभी क्रेडिट एबीसी पोर्टल पर अपलोड होने चाहिए।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि सबसे पहले एनईपी लागू करने वाला पहला शिक्षण संस्थान है। हम चार वर्षीय यूजी कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले भी पहले विश्वविद्यालय हैं। एकेडमिक काउंसिल की बैठक में विवि को गति देने वाले तमाम प्रस्तावों को सहमति दी गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्या परिषद की बैठक में मौजूद कुलपति व अन्य। -संवाद

इन अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

20 क्रेडिट के हुए यूजी-पीजी कोर्स

लविवि ने नई शिक्षा नीति के तहत सभी विभागों के स्नातक और पीजी कोर्स डिजाइन किए है जो 20 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर के हैं। पहले यह 24 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर के थे। साथ ही एक वर्षीय पीजी और दो वर्षीय पीजी के अध्यादेश को भी मंजूरी दी गई।

- **रिसर्चर इन रेजिडेंस :** बैठक में रिसर्चर इन रेजिडेंस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इसके तहत विवि में एक सेमेस्टर के लिए अंतरराष्ट्रीय संकाय चलाया जाएगा। इसमें विवि आमंत्रित अंतरराष्ट्रीय शोधार्थी को आवास व ग्रांट प्रदान करेगा। शोधार्थी अपनी निर्धारित अवधि में विवि में शोध व शिक्षण कार्य करेंगे।
- **प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस को मंजूरी :** एकेडमिक काउंसिल में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इसके तहत असाधारण उपलब्धियों और अनुभव वाले पेशवरों को विवि में प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। इनकी सेवाएं एक से तीन वर्ष तक की होंगी। इसे एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है। नियुक्तियों की संख्या कुल पदों की 10 प्रतिशत होगी।
- **नौ ऑनलाइन कोर्सों की शुरुआत :** विवि में नौ ऑनलाइन कोर्स शुरू करने को भी मंजूरी दी। इसमें स्नातक स्तर पर बीबीए और परास्नातक स्तर पर एमए राजनीति विज्ञान, संस्कृत, समाज कार्य, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी के साथ ही एमबीए मार्केटिंग, एमबीए फाइनेंस, एमबीए ह्यूमन रिसोर्स, एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस शामिल हैं। इसके लिए बोर्ड फॉर ऑनलाइन प्रोग्राम का सृजन किया गया है।
- **योग में शुरू होंगे सर्टिफिकेट कोर्स :** लखनऊ विश्वविद्यालय योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय के अंतर्गत कुछ सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जा रहे हैं।
- **शिक्षकों को सुपर न्यूमेरिक सीट पर प्रवेश :** बैठक में लविवि और संबद्ध कॉलेजों के ऐसे शिक्षक जो बिना पीएचडी के नियुक्त हुए हैं, उनको पीएचडी में सुपर न्यूमेरिक सीट पर प्रवेश देने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। लुआक्टा लंबे समय इसकी मांग कर रहा था।

HINDUSTAN PAGE 8

विद्या परिषद की बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर, स्थानांतरण की अनुमति मिली

एलयू: स्नातक के तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर में ले सकेंगे ट्रांसफर

फैसले

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में मल्टीपल एंट्री (कई बार प्रवेश) को मंजूरी दे दी गई है। इससे अब स्नातक तीसरे, पांचवे व सातवें सेमेस्टर और पीजी के तीसरे सेमेस्टर में विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे। साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज और संबद्ध कॉलेज से एलयू में भी स्थानांतरण करा सकेंगे। यह प्रस्ताव कुलपति की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित विद्या परिषद की बैठक में पास किया गया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि मल्टीपल एंट्री के लिए विद्यार्थी एलयू या संबद्ध कॉलेज का होना चाहिए। बाहरी विश्वविद्यालय के उन्हीं छात्रों को प्रवेश की अनुमित मिलेगी जिनका संस्थान नैक ए प्लस या ऊपर का ग्रेड वाला हो। ऐसे विश्वविद्यालय के छात्रों को एनईपी 2020 के अनुरूप चार वर्षीय यूजी प्रोग्राम में पंजीकृत होना जरूरी है। सभी छात्रों के क्रेडिट अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स पर अपलोड होने चाहिए। पूर्व

संस्थान के क्रेडिट को ट्रांसफर किया जाएगा। सातवें सेमेस्टर में दाखिले के लिए छात्रों का सीजीपीए 7.5 होना जरूरी है। कुलपति का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रवेश कक्ष को प्रवेश प्रक्रिया के दौरान खाली सीटों का विज्ञापन देगा। प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय प्रवेश कक्ष की ओर से तय की जाएगी। योग में सर्टिफिकेट कोर्स को भी मान्यता दी।

स्नातक में अब हर सेमेस्टर 20 क्रेडिट का: स्नातक अध्यादेश 2023 के मुताबिक यूजी पाठ्यक्रम के सिलेबस में संशोधन को पारित किया गया। इसके तहत अब हर सेमेस्टर 20 क्रेडिट का होगा। मुख्य विषय का चयन पांचवे सेमेस्टर में कर सकेंगे। मुख्य विषय में वैकल्पिक पेपर, विकल्प, इंटर्नशिप आदि को शामिल किया है।

20 क्रेडिट का अब हर सेमेस्टर स्नातक में होगा विवि में

महत्वपूर्ण निर्णय

1. देश में एक वर्षीय पीजी अध्यादेश लाने वाला एलयू पहला है। दो वर्ष पीजी अध्यादेश को भी मंजूरी दी गई।
2. रिसर्चर इन रेजिडेंस से रिसर्च कर सकेंगे अंतरराष्ट्रीय संकाय
3. ऑनलाइन बीबीए और एमए राजनीति विज्ञान, संस्कृत, समाज कार्य, अर्थशास्त्र व अंग्रेजी शुरू करने पर संस्तुति।
4. पीएचडी की सुपर न्यूमेरिक सीट पर प्रवेश को मंजूरी दी।

कुलपति बोले

"बीते एक वर्ष में एलयू में विभिन्न विभागों में 17 करोड़ के 111 प्रोजेक्ट चल रहे हैं। नैक में एलयू का 640 में 585 का स्कोर था। अंतरराष्ट्रीय छात्रों के प्रवेश की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। पूरे देश में नई शिक्षा नीति 2020 को सबसे पहले लागू किया। हमने नौ वोकेशनल, नौ को-कुरिकुलर प्रोग्राम के प्रारंभ किया था। आज 30 से ज्यादा वोकेशनल और कुरिकुलर प्रोग्राम हैं। देश में चौथे वर्ष स्नातक शुरू करने वाले हम पहले हैं। प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति

नेता, वकील, व्यापारी व पत्रकार ले सकेंगे क्लास

विद्या परिषद की बैठक में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि इसके जरिए असाधारण उपलब्धियों और अनुभव वाले पेशेवरों को विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में बुलाया जाएगा। इनकी नियुक्तियों की संख्या कुल स्वीकृत पदों के 10 फीसदी से अधिक नहीं होगी। एक से तीन वर्षों के लिए तैनाती दी जाएगी।

i-NEXT PAGE 3

एलयू में अब मल्टिपल एंट्री भी

CONCEPT PIC

7.5 सीजीपीए से अधिक अंक

लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्या परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

LUCKNOW (31 JULY): लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक चौथे वर्ष का कोर्स शुरू करने जा रहा है. वहीं, एक वर्षीय पीजी कोर्स भी शुरू होगा. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अभी तक मल्टिपल एग्जिट की सुविधा दी जा रही थी. अब मल्टिपल एंट्री की सुविधा भी मिलेगी. लेटरल एंट्री के तहत स्टूडेंट एक से दूसरे कालेज या विश्वविद्यालय में प्रवेश ले सकेंगे. बुधवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में मालवीय सभागार में हुई विद्या परिषद की बैठक में छात्रहित में कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगी.

एडमिशन की मंजूरी

लेटरल एंट्री से स्टूडेंट को यूजी के तीसरे, पांचवें, सातवें सेमेस्टर और परास्नातक के तीसरे सेमेस्टर में प्रवेश की अनुमति दी गई है. विद्यार्थी एलयू से संबद्ध कालेजों से हो सकते हैं. इन सेमेस्टर में कालेज से कालेज या कालेज से विश्वविद्यालय परिसर में स्थानांतरण की अनुमति दी गई है. नैक ए प्लस और उससे ऊपर ग्रेड वाले संस्थान से विश्वविद्यालय के बाहर के छात्रों को प्रवेश की अनुमति लेटरल एंट्री के लिए सभी विद्यार्थियों के क्रेडिट अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट्स पर अपलोड किए जाने चाहिए. इसमें पूर्व संस्थान के क्रेडिट को ट्रांसफर किया जाएगा. सातवें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए छह सेमेस्टर तक 7.5 सीजीपीए से अधिक अंक प्राप्त किए होने चाहिए. इसमें प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय एडमिशन सेल को प्रवेश के लिए सभी विद्यार्थियों के क्रेडिट अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट्स पर अपलोड किए जाने चाहिए. इसमें प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय एडमिशन सेल को प्रवेश की सुविधा दी जाएगी. लेटरल एंट्री से छात्र-छात्राओं को स्नातक के तीसरे, पांचवें, सातवें सेमेस्टर और परास्नातक के तीसरे सेमेस्टर में प्रवेश की अनुमति दी गई है. विद्यार्थी लविवि से संबद्ध कालेजों से हो सकते हैं. इन सेमेस्टर में कालेज से कालेज या कालेज से विश्वविद्यालय परिसर में स्थानांतरण की अनुमति दी गई है. नैक ए प्लस और उससे ऊपर ग्रेड वाले संस्थान से विश्वविद्यालय के बाहर के छात्रों को प्रवेश की अनुमति रहेगी. विश्वविद्यालय के बाहर के उच्च शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों को एनईपी के अनुसार चार वर्षीय स्नातक प्रोग्राम में रजिस्टर्ड होना चाहिए.

राष्ट्र गौरव अनिवार्य

यूजी सिलेबस में संशोधन किया गया है. नए अध्यादेश के अनुसार सभी विभागों में यूजी सिलेबस पारित किए गए. हर सेमेस्टर 20 क्रेडिट का होगा. मुख्य विषय का चयन छात्र पांचवें सेमेस्टर में करेंगे. मुख्य विषय में वैकल्पिक पेपर, विकल्प, इंटरनशिप, टर्म पेपर, माइनर प्रोजेक्ट, डेजर्टेशन रहेगा. स्नातक में राष्ट्र गौरव का पेपर सभी के लिए अनिवार्य रहेगा.देश में पहली बार एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम विश्वविद्यालय शुरू करेगा. हर सेमेस्टर 20 क्रेडिट का होगा. विद्यार्थियों को अधिक से अधिक विकल्प दिए जाएंगे.

पेशेवर लोग बनेंगे प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस

यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार बगैर पीएचडी के भी पेशेवर लोग अपने अनुभव की बदौलत प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस के तौर पर पढ़ा सकेंगे. इसमें असाधारण उपलब्धियों और अनुभवी लोगों को आमंत्रित किया जाएगा. इनकी नियुक्तियों की संख्या कुल स्वीकृत पद के 10 प्रतिशत से कम रहेगी. एक से तीन वर्ष तक इनकी सेवाएं रहेंगी.

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय में लेटरल एंट्री की सुविधा

प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस पर नियुक्त हो सकेंगे विशेषज्ञ, लवि के विद्या परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

जासं •लखनऊ: लवि अब स्नातक चौथे वर्ष का पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। वहीं, एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम भी शुरू होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अभी तक मल्टिपल एग्जिट की सुविधा दी जा रही थी। अब मल्टिपल एंट्री की सुविधा भी मिलेगी। लेटरल एंट्री के तहत छात्र-छात्राएं एक से दूसरे कालेज या विश्वविद्यालय में प्रवेश ले सकेंगे। बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में मालवीय सभागार में हुई विद्या परिषद की बैठक में छात्रहित में कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगी।

लेटरल एंट्री से छात्र-छात्राओं को स्नातक के तीसरे, पांचवें, सातवें सेमेस्टर और परास्नातक के तीसरे सेमेस्टर में प्रवेश की अनुमति दी गई है। विद्यार्थी लवि से संबद्ध कालेजों से हो सकते हैं। इन सेमेस्टर में कालेज से कालेज या कालेज से विश्वविद्यालय परिसर में स्थानांतरण की अनुमति दी गई है। नैक ए प्लस व उससे ऊपर ग्रेड वाले संस्थान से विश्वविद्यालय के बाहर के छात्रों को प्रवेश की अनुमति रहेगी। विश्वविद्यालय के बाहर के उच्च शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों को एनईपी के अनुसार चार वर्षीय स्नातक प्रोग्राम में पंजीकृत होना चाहिए। लेटरल एंट्री के लिए सभी विद्यार्थियों के क्रेडिट अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट्स पर अपलोड किए जाने चाहिए। सातवें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को छह सेमेस्टर तक 7.5 सीजीपीए से अधिक अंक प्राप्त किए होने चाहिए। इसमें प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय एडमिशन सेल को प्रवेश प्रक्रिया के दौरान खाली सीटों का विज्ञापन देना होगा। कुलपति प्रो. आलोक राय कहा कि एनईपी के लिए स्नातक व परास्नातक स्तर पर बहुत अच्छे पाठ्यक्रम को तैयार किए हैं।

राष्ट्र गौरव अनिवार्य: यूजी सिलेबस में संशोधन किया गया है। नए अध्यादेश के अनुसार सभी विभागों में यूजी सिलेबस पारित किए गए। हर सेमेस्टर 20 क्रेडिट का होगा। मुख्य विषय का चयन छात्र पांचवें सेमेस्टर में करेंगे। मुख्य विषय में वैकल्पिक पेपर, विकल्प, इंटर्नशिप, टर्म पेपर, माइनर प्रोजेक्ट, डेजर्टेशन रहेगा। स्नातक में राष्ट्र गौरव का पेपर सभी के लिए अनिवार्य रहेगा।

एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम शुरू होगा: एक वर्षीय पीजी अध्यादेश का प्रस्ताव भी स्वीकार हो गया। देश में पहली बार एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम विश्वविद्यालय शुरू करेगा। हर सेमेस्टर 20 क्रेडिट का होगा। विद्यार्थियों को अधिक से अधिक विकल्प दिए जाएंगे। दो वर्षीय पीजी अध्यादेश भी पास हो गया। इसमें भी हर सेमेस्टर 20 क्रेडिट का है। कोर और वैकल्पिक पेपर चुनने में छात्रों को सहूलियत दी जाएगी।

पेशेवर लोग बनेंगे प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस: अब पेशेवर लोगों को प्रोफेसर बनने का रास्ता खुल गया है। यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार बगैर पीएच.डी के भी पेशेवर लोग अपने अनुभव की बदौलत प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस के तौर पर पढ़ा सकेंगे। इसमें असाधारण उपलब्धियों और अनुभवी लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। इनकी नियुक्तियों की संख्या कुल स्वीकृत पद के 10 प्रतिशत से कम रहेगी। एक से तीन वर्ष तक इनकी सेवाएं रहेंगी। रिसर्चर इन रेजिडेंस के तहत अंतरराष्ट्रीय संकाय को विश्वविद्यालय में कम से कम एक सेमेस्टर के लिए होस्ट किया जाएगा। वे यहां शिक्षण व शोध करेंगे।

यूजी और पीजी में आनलाइन प्रोग्राम शुरू होगा: स्नातक स्तर पर बी.बी.ए, एम.ए में पांच विषयों और एम.बी.ए मार्केटिंग, एम.बी.ए फाइनेंस, एम.बी.ए ह्यूमन रिसोर्स, एम.बी.ए इंटरनेशनल बिजनेस के लिए आनलाइन प्रोग्राम शुरू होंगे। लवि व उससे जुड़े कालेजों के बिना पीएच.डी वाले शिक्षकों को पीएच.डी की सुपर न्यूमेरिक सीट पर प्रवेश मिलेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति प्रो. आलोक राय और परिषद के अन्य सदस्य •लवि

शिक्षक संघ की बैठक में केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने की उठी मांग

लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ की आम सभा की बैठक बुधवार को हुई। इसमें कई प्रस्ताव पास किए गए। संघ ने लखनऊ विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने, शिक्षकों की सेवानिवृत्त की आयु 62 से 65 वर्ष करने, केंद्रीय विश्वविद्यालय की तरह शिक्षकों को ग्रेच्युटी देने, चिकित्सा सुविधा दिए जाने की मांग की। इसके साथ ही यूजीसी रेगुलेशन के अनुसार पीएचडी इंक्रीमेंट देने, 28 मार्च 2005 के विज्ञापन के बाद नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिए जाने की मांग उठाई। आम सभा में यह प्रस्ताव पास किया गया कि प्रदेश सरकार ने सभी मांगों को पूरा नहीं किया तो संघ आंदोलन करने के लिए विवश होगा।

अमीनाबाद इंटर कालेज में छह अगस्त तक प्रवेश का मौका

अमीनाबाद इंटर कालेज में कक्षा छठी से 12वीं में प्रवेश की प्रक्रिया चल रही है। छह अगस्त तक प्रवेश की अंतिम तिथि है। कालेज के प्रधानाचार्य साहब लाल मिश्र ने बताया कि सुबह 10 बजे से पांच बजे के बीच प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी कालेज से फार्म ले सकते हैं। फार्म भरकर सभी प्रमाणपत्र लगाकर कालेज में जमा कर सकते हैं। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग और उनकी पिछली कक्षाओं के अंक को देखकर प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपी बोर्ड से प्रवेश की अंतिम तिथि छह अगस्त निर्धारित है। उन्होंने बताया कि यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले मेधावियों का बहुत जल्द सम्मान भी किया जाएगा।

PIONEER PAGE 3

प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट के होंगे यूजी व पीजी, पांचवे सेमेस्टर में मुख्य विषय का चुनाव कर सकेंगे छात्र

- **रिसर्चर इन रेजिडेंस, प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस जैसे कई मुद्दों को मिली हरी झंडी**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक व परास्नातक कक्षाओं में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट का होगा। जबकि पांचवे सेमेस्टर में छात्र अपने मुख्य विषय का चुनाव कर सकेंगे। बुधवार को विवि में सम्पन्न हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इसे अनुमोदन दे दिया गया। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यूजी के सिलेबस में संसोधन किया गया। इसमें मुख्य विषय में वैकल्पिक पेपर्स/ विकल्प/ इंटर्नशिप/ टर्म पेपर/ माइनर प्रोजेक्ट/ डिसर्टेशन सहित राष्ट्र गौरव को अनिवार्य कर दिया गया। वहीं एक व दो वर्ष का परास्नातक कोर्स के आर्डिनेंस पर मुहर लगी। छात्रों को यूजी के सेमेस्टर 3, 5, और 7 और पीजी के सेमेस्टर 3 में प्रवेश की अनुमति दी गयी। बैठक में कॉलेज से कॉलेज या कॉलेज से विश्वविद्यालय परिसर में स्थानांतरण की अनुमति दी गयी। नैक ए डबल+ और ऊपर के ग्रेड वाले उच्च शिक्षण संस्थान से विश्वविद्यालय के बाहर के छात्रों को प्रवेश की अनुमति दी गयी। इसके लिए विश्वविद्यालय के बाहर के उच्च शिक्षण संस्थान के छात्रों को एनईपी 2020 के अनुरूप 4-वर्षीय यूजी प्रोग्राम में पंजीकृत होना चाहिए। सभी छात्रों के क्रेडिट अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स पर अपलोड किए जाने चाहिए। सेमेस्टर 7 में प्रवेश के लिए छात्रों को सेमेस्टर 6 तक सीजीपीए 7.5 और ऊपर होना चाहिए। विश्वविद्यालय प्रवेश कक्ष को प्रवेश प्रक्रिया के दौरान खाली सीटों का विज्ञापन देना होगा। प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय प्रवेश कक्ष द्वारा तय की जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि अंतर्राष्ट्रीय संकाय को एलयू में कम से कम एक सेमेस्टर के लिए होस्ट किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय आवास और संबंधित ग्रांट प्रदान करेगा। प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के तहत असाधारण उपलब्धियों और अनुभव वाले पेशेवरों को विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में ऑनलाइन प्रोग्राम के तहत स्नातक में बीबीए और परास्नातक में राजनीति विज्ञान, संस्कृत, समाज कार्य, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, और एमबीए मार्केटिंग, एमबीए फाइनैन्स, एमबीए ह्यूमन रिसोर्स, एमबीए इंटरनेशनल बिजनस और इसके लिए बोर्ड आफ ऑनलाइन प्रोग्राम के सृजन का निर्णय लिया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय अथवा उससे सम्बद्ध महाविद्यालय (ऐडेड) के ऐसे शिक्षक जो बिना पीएचडी के नियुक्त हुए हैं, उनको पीएचडी में सुपर न्यूमेरिक सीट पर प्रवेश होगा। साथ ही योग में सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन होगा।

AMRIT VICHAR PAGE 5

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के पद पर होगी नियुक्ति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय के एकेडमिक काउंसिल की बैठक में लिया गया निर्णय

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में यूजीसी के निर्देश पर प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के पद पर नियुक्ति की शुरुआत होगी। जिसके जरिए अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ विश्वविद्यालय में आकर पढ़ाएंगे। इससे विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान भी मिलेगा। बुधवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में फैसला लिया गया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि नई शिक्षा नीति के तहत देश के उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस योजना की पहल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने की है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उद्योग, वाणिज्य, इंजीनियरिंग, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता, सामाजिक विज्ञान, मीडिया, साहित्य व कला क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हो सकते हैं। प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस वह लोग हो सकते हैं जो अपने मूल व्यवसाय से शिक्षक नहीं हैं और न ही उनके पास विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य के लिए पीएचडी या यूजीसी नेट जैसी निर्धारित योग्यता है। विश्वविद्यालय उनके व्यापक प्रोफेशनल अनुभव के आधार पर छात्रों को पढ़ाने के लिए नियुक्त कर सकते हैं।

इस तरह होगी भर्ती : असाधारण उपलब्धियों और अनुभव वाले पेशेवरों को विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया जाएगा, इसमें उद्योग द्वारा वित्तपोषित, विश्वविद्यालय द्वारा वित्तपोषित, सम्माननीय आधार पर, योगदान, पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या को विकसित और डिजाइन करना, नए पाठ्यक्रम पेश करना और विश्वविद्यालय नीति के अनुसार व्याख्यान देना और छात्र नवाचार और उद्यमिता परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना, आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना होगा।देश के कॉलेजों व विश्वविद्यालयों की पढ़ाई को स्किल से जोड़ने के लिए यूजीसी द्वारा दो साल पहले प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस (पीओपी) योजना लाई गई है।

बैठक में लिये गए निर्णय

- यूजी सिलेबस में होगा संशोधन
- ऑर्डिनेंस 2023 के अनुसार सभी विभागों में यूजी सिलेबस पारित किए गए।
- प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट
- मुख्य विषय का चयन सेमेस्टर 5 में
- मुख्य विषय में वैकल्पिक पेपर्स/विकल्प/इंटर्नशिप/टर्म पेपर/माइनर प्रोजेक्ट/डिसर्टेशन
- राष्ट्र गौरव अनिवार्य

एक वर्ष पीजी ऑर्डिनेंस

- प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट
- अधिक विकल्प

दो वर्ष पीजी ऑर्डिनेंस

- प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट
- क्रेडिट का डिसर्टेशन
- कोर और वैकल्पिक पेपर्स में लचीलापन

रिसर्चर इन रेजिडेंस

- अंतर्राष्ट्रीय संकाय को विश्वविद्यालय में कम से कम एक सेमेस्टर के लिए होस्ट किया जाएगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लेटरल एंट्री के तहत छात्रों को यूजी और पीजी में मिलेगा दाखिला

- लविवि के कुलपति प्रो. आलोक राय की अध्यक्षता में विद्या परिषद की बैठक सम्पन्न

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में विद्या परिषद की बैठक कुलपति प्रो आलोक राय की अध्यक्षता में बुधवार को सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालयों का कार्य है बहुत अच्छे पाठ्यक्रम का निर्माण करना और हम लोगोंने अपने एनईपी 2020 के लिए स्नातक और परास्नातक स्तर पर बहुत अच्छे पाठ्यक्रम को तैयार किया है। यह ऐसा कार्य है जिसमे कोई धन व्यय नहीं होता।

अभी पिछले एक साल में विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागोंमें 17 करोड़ रुपयेके 111 प्रोजेक्ट चल रहे हैं। पिछले दिनों इंडिया टुडे रैंकिंग में 2023 में हम

लोग जहां 19वें स्थान पर थे 2024 में 14वें स्थान पर आ गए हैं। इसी प्रकार नैक में हम लोग 640 में से 585 का स्कोर किए थे। अंतरराष्ट्रीय छात्रों के प्रवेश की संख्या में लगातार वृद्धि हमारे विश्वविद्यालय में हो रही है। हम लोगों ने पूरे देश में नई शिक्षा नीति 2020 को सबसे पहले लागू किया और लगातार नए प्रयोग के साथ उसमें सुधार करते जा रहे हैं। जहां 9 वोकेशनल और 9 कोकर्कुलर प्रोग्राम के साथ में हम लोगोंने शुरू किया था, वर्तमान में अब 30 से ज्यादा वोकेशनल और 30 से ही ज्यादा कोकर्कुलर प्रोग्राम हमारे यहां चल रहे हैं। देश में हम लोग चौथे वर्ष स्नातक पाठ्यक्रम को शुरू करने वाले पहले हैं। हम लोगों ने एक वर्षीय परास्नातक ऑर्डिनेंस को बना लिया है इसको लागू करने वाले हैं। मल्टीपल एग्जिट के साथ मल्टीपल एंट्री भी हमारे यहां शुरू हो रहा है। कोई छात्र किसी संस्थान को छोड़कर हमारे पास क्यों आये इसके बारे में हमें गहनता से विचार करना होगा। इस बैठक में निम्न बिंदु पारित किए गए। इसमें यूजी सिलेबस में संशोधन, एक वर्ष पीजी ऑर्डिनेंस, दो वर्ष पीजी ऑर्डिनेंस, लेटरल एंट्री, रिसर्चर इन रेजिडेंस, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, ऑनलाइन प्रोग्राम, लखनऊ विश्वविद्यालय अथवा उससे सम्बद्ध महाविद्यालय (ऐडेड) के ऐसे शिक्षक जो बिना पीएचडी के नियुक्त हुए हैं, उनको पीएचडी में सुपर न्यूमेरिक सीट पर प्रवेश और योग में सर्टिफिकेट कोर्स किया गया। यूजी सिलेबस में संशोधन के तहत यूजी ऑर्डिनेंस 2023 के अनुसार सभी विभागों में यूजी सिलेबस पारित किए गए। प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट के साथ राष्ट्र गौरव अनिवार्य किया गया। लेटरल एंट्री के तहत छात्रों को यूजी के सेमेस्टर 3, 5 और 7 और पीजी के सेमेस्टर 3 में प्रवेश की अनुमति, छात्र लविवि से संबद्ध/संबद्ध कॉलेजों से हो सकते हैं। कॉलेज से कॉलेज या कॉलेज से विश्वविद्यालय परिसर में स्थानांतरण की अनुमति दी गयी। साथ ही नैक ए+ और ऊपर के ग्रेड वाले उच्च शिक्षण संस्थान से विश्वविद्यालय के बाहर के छात्रों को प्रवेश की अनुमति दी गयी। विश्वविद्यालय के बाहर के उच्च शिक्षण संस्थान के छात्रों को एनईपी 2020 के अनुरूप 4-वर्षीय यूजी प्रोग्राम में पंजीकृत होना चाहिए। सभी छात्रों के क्रेडिट अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स पर अपलोड किये जाने चाहिए। पूर्व संस्थान के क्रेडिट को ट्रांसफर किया जाएगा। सेमेस्टर 7 में प्रवेश के लिए छात्रों को सेमेस्टर 6 तक सीजीपीए 7.5 और ऊपर होना चाहिए। वहीं रिसर्चर इन रेजिडेंस के तहत अंतर्राष्ट्रीय संकाय को लविवि में कम से कम एक सेमेस्टर के लिए होस्ट किया जाएगा, विश्वविद्यालय आवास और संबंधित ग्रांट देगा और वे शिक्षण और शोध करेंगे। साथ ही प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के तहत असाधारण उपलब्धियों और अनुभव वाले पेशेवरों को विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। इसमें बतौर प्रोफेसर उद्योग द्वारा वित्तपोषित, विश्वविद्यालय द्वारा वित्तपोषित, सम्माननीय आधार पर होगा। साथ ही वे पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या को विकसित और डिजाइन करना, नए पाठ्यक्रम पेश करना और विश्वविद्यालय नीति के अनुसार व्याख्यान देना, छात्र नवाचार और उद्यमिता परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना, आवश्यक मार्गदर्शन देने आदि कार्य करेंगे।

LOKSATYA PAGE 3

पीएचडी ग्रहण करतीं इल्लिका गुहा।

इल्लिका गुहा मजूमदार को पीएचडी उपाधि

अमृत विचार, लखनऊ